सामाजिक विज्ञान (SOCIAL SCIENCE)

समय 2 घंटे 45 मिनट] **[पूर्णांक 80**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. परीक्षार्थी उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें ।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये गए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।
5. यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में है, खण्ड-अ एवं खण्ड-ब ।
6. खण्ड-अ में 80 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनमें 40 प्रश्न अनिवार्य हैं। यदि परीक्षार्थी 40 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देते/देती हैं, तो प्रथम 40 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। OMR उत्तर पत्रक पर दिये गये सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से भरें। ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक पर प्रयोग नहीं करें अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
7. खण्ड-ब में सामाजिक विज्ञान के कुल 5 विषयों के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
   (i) इतिहास में 6 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 6) हैं जिनमें किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
   (ii) राजनीति विज्ञान में कुल 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 9 से 12) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
   (iii) अर्थशास्त्र में 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 15 से 18) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
   (iv) भूगोल में कुल 6 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 21 से 26) हैं जिनमें किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
   (v) आपदा प्रबंधन में 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 29 से 32) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
   (vi) इनके अतिरिक्त 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 7, 8, 13, 14, 19, 20, 27, 28) हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं भूगोल में प्रत्येक से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देना है।
8. किसी प्रकार के इलक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग नहीं करें।

मॉडल पेपर – 1

खण्ड-अ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं आपदा प्रबंधन

प्रश्न संख्या 1 से 80 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प हैं, जिनमें से एक सही है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। अपने द्वारा चुने गए विकल्प को OMR शीट पर चिह्नित करें। किन्हीं 40 प्रश्नों के उत्तर दें। **(40×1=40)**

1. हिन्द-चीन में बसने वाले फ्रांसीसी कहे जाते थे :
(A) फ्रांसीसी (B) शासक वर्ग
(C) कोलोन (D) व्यापारी

2. रौलेट एक्ट कब पारित हुआ ?
(A) 1919 (B) 1920
(C) 1922 (D) 1930

3. जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में किसने अपनी 'नाइट' की उपाधि त्याग दी ?
(A) महात्मा गाँधी (B) सुभाष चन्द्र बोस
(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर (D) पण्डित नेहरू

4. जर्मनी के एकीकरण में किसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण थी ?
(A) गैरीबाल्डी (B) बिस्मार्क
(C) काउंट कावूर (D) मेजिनी

5. आर्य समाज की स्थापना किसने की ?
(A) स्वामी विवेकानन्द (B) राम कृष्ण परमहंस
(C) स्वामी दयानंद सरस्वती (D) राजा राम मोहन राय

6. पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव काँग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन में पारित हुआ ?
(A) 1929 लाहौर (B) 1931 कराची
(C) 1933 कलकत्ता (D) 1937 बेलगाम

7. भारत में सूती वस्त्र की प्रथम मिल खोली गई :
(A) मद्रास में (B) बम्बई में
(C) कलकत्ता में (D) सूरत में

8. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(A) बाल गंगाधार तिलक (B) लाला लाजपत राय
(C) लाला हरदयाल (D) घनश्याम दास बिड़ला

9. हिन्द-चीन क्षेत्र में अंतिम युद्ध की समाप्ति के समय अमेरिकी राष्ट्रपति कौन थे ?
(A) वाशिंगटन (B) निक्सन
(C) जार्ज बुश (D) रूजवेल्ट

10. विक्टर इमैनुएल ने किसे प्रधानमंत्री नियुक्त किया ?
(A) मेजिनी (B) मेटरनिख
(C) काउंट कावूर (D) स्टालिन

11. 'रक्त और लौह की नीति' का अवलम्बन किसने किया ?
(A) मुसोलिनी (B) विक्टर इमैनुएल
(C) गैरीबाल्डी (D) बिस्मार्क

12. नई आर्थिक नीति (NEP) कब लागू हुई ?
(A) 1918 (B) 1920
(C) 1921 (D) 1925

13. 'इंडियन स्टेट्यूटरी कमीशन' का अन्य नाम क्या है ?
(A) हंटर कमीज़न (B) साइमन कमीज़न
(C) सारजंट कमीज़न (D) ली कमीज़न

14. महात्मा गाँधी ने किस समाचार पत्र का संपादन किया था ?
(A) कॉमनवील (B) यंग इंडिया
(C) बंगाली (D) बिहारी

15. गुटेनबर्ग ने सर्वप्रथम किस पुस्तक की छपाई की ?
(A) कुरान (B) गीता
(C) बाइबिल (D) हदीस

16. अशोक का अभिलेख किस लिपि में है ?
(A) ब्राह्मी (B) फ़ारसी
(C) रोमन (D) इनमें से कोई नहीं

17. बंगाल विभाजन कब वापस लिया गया था ?
(A) 1905 (B) 1907
(C) 1911 (D) 1912

18. रूस में कब दासत्व समाप्त किया गया ?
(A) 1861 (B) 1865
(C) 1870 (D) 1873

19. किस सम्मेलन में 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया?
(A) प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
(B) द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
(C) क्योटो सम्मेलन
(D) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन

20. हो-ची-मिन्ह की सरकार थी :
(A) दक्षिणी वियतनाम में (B) उत्तरी वियतनाम में
(C) पूर्वी वियतनाम में (D) पश्चिमी वियतनाम में

21. 'वार एण्ड पीस' किसने लिखी ?
(A) कार्ल मार्क्स (B) टॉलस्टॉय
(C) बर्नार्ड शॉ (D) दोस्तोवस्की

22. सोवियत संघ का विघटन हुआ था :
(A) 1991 में (B) 1992 में
(C) 1989 में (D) 1990 में

23. पटना को अजीमाबाद नाम किसने दिया ?
(A) अकबर (B) अजीम-उस-ज़ान
(C) बाबर (D) हुमायूँ

24. पाटलिपुत्र नगर की स्थापना किसने की ?
(A) बिन्दुसार (B) चन्द्रगुप्त मौर्य
(C) अजातशत्रु (D) इनमें से कोई नहीं

25. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना किस संस्था द्वारा की जाती है ?
(A) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन
(D) इनमें से सभी

26. योजना आयोग का गठन कब हुआ ?
(A) 15 मार्च 1950 (B) 15 मार्च 1951
(C) 1 जनवरी 2015 (D) 1 जनवरी 2001

27. उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है :
(A) समाजवादी अर्थव्यवस्था में
(B) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में
(C) साम्यवादी अर्थव्यवस्था में
(D) इनमें से कोई नहीं

28. गैस और बिजली उत्पादन किस क्षेत्र का अंग है ?
(A) प्राथमिक क्षेत्र (B) द्वितीयक क्षेत्र
(C) तृतीयक क्षेत्र (D) इनमें से कोई नहीं

29. बांग्लादेश की मुद्रा क्या है ?
(A) रूपया (B) टका
(C) क्यात (D) युआन

30. प्रो० मो० युनुस का सम्बन्ध किस देश से है ?
(A) भारत (B) पाकिस्तान
(C) बांग्लादेश (D) ईरान

31. प्राथमिक कृषि साख समिति कृषकों को किस प्रकार का ऋण प्रदान करती है ?
(A) अल्पकालीन (B) दीर्घकालीन
(C) मधयकालीन (D) इनमें से सभी

32. जवाहर रोजगार योजना किस वर्ष प्रारम्भ हुई ?
(A) 1982 (B) 1985
(C) 1989 (D) 1990

33. मनरेगा में एक वर्ष में कितने दिन का रोजगार देने की गारंटी दी जाती है ?
(A) 150 दिन (B) 180 दिन
(C) 120 दिन (D) 100 दिन

34. उपभोक्ता संरक्षण के लिए कितने राज्य आयोग हैं ?
(A) 582 (B) 35
(C) 24 (D) 38

35. प्रो० पी० सी० महालनोबिस की अध्यक्षता में किस समिति का गठन किया गया ?
(A) राष्ट्रीय आय समिति (B) कृषि समिति
(C) विकास समिति (D) कर समिति

36. उपभोग व्यय और बचत का योग कहलाता है :
(A) निवेश (B) आय
(C) वितरण (D) माँग

37. निम्न में कौन आर्थिक क्रिया का चक्रीय प्रवाह है ?
(A) उत्पादन (B) व्यय
(C) आय (D) इनमें से सभी

38. भारत में सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का अनुमान कब लगाया गया ?
(A) 1871 (B) 1868
(C) 1950 (D) 1945

39. निम्न में से कौन सहकारिता का मूलभूत तत्व नहीं है ?
(A) अनिवार्य सदस्यता (B) जनतंत्रत्मक आधार
(C) नैतिक तथा सामाजिक तत्व
(D) ऐच्छिक सदस्यता

40. इनमें से कौन गैर-आर्थिक आधारित संरचना है ?
(A) वित्त (B) ऊर्जा
(C) स्वास्थ्य (D) संचार

41. संविधान का 74वाँ संशोधन सम्बन्धित है :
(A) पंचायती राज व्यवस्था से
(B) नगरीय शासन व्यवस्था से
(C) राज्य स्तरीय शासन व्यवस्था से
(D) राष्ट्र स्तरीय शासन व्यवस्था से

42. बिहार में एक नगर निगम में अधिकतम कितने वार्ड हो सकते हैं ?
(A) 37 (B) 52
(C) 72 (D) 75

43. चिपको आंदोलन सम्बन्धित है :
(A) मेधा पाटकर से (B) लाला लाजपत राय से
(C) सुन्दरलाल बहुगुणा से (D) अमृता देवी से

44. नेपाल में सप्तदलीय गठबंधन क्यों किया गया ?
(A) लोकतंत्र की स्थापना हेतु
(B) राजतंत्र की स्थापना हेतु
(C) कुलीनतंत्र की स्थापना हेतु
(D) साम्यवाद की स्थापना हेतु

45. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना किसने की ?
(A) मुलायम सिंह (B) एस० ए० डांगे
(C) कांशीराम (D) ज्योति बसु

46. दल-बदल कानून लागू होता है :
(A) सांसदों एवं विधायकों पर
(B) राष्ट्रपति पर
(C) उप-राष्ट्रपति पर
(D) इनमें से सभी

47. झारखंड बिहार से कब पृथक् हुआ ?
(A) 15 नवंबर 2000 को (B) 10 नवंबर 2001 को
(C) 15 नवंबर 2002 को (D) 10 नवंबर 2002 को

48. इनमें से कौन संघीय प्रणाली की विशेषता नहीं है ?
(A) लिखित संविधान (B) इकहरी शासन व्यवस्था
(C) शक्तियों का विभाजन (D) सर्वोच्च न्यायपालिका

49. लोकसभा में चुने हुए सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(A) 545 (B) 543
(C) 540 (D) 500

50. पूर्व में बांग्लादेश जाना जाता था :
(A) पश्चिमी पाकिस्तान (B) उत्तरी पाकिस्तान
(C) पूर्वी पाकिस्तान (D) दक्षिणी पाकिस्तान

51. वेस्टइंडीज संघ की स्थापना हुई :
(A) 1973 में (B) 1965 में
(C) 1960 में (D) 1958 में

52. इंडिका के लेखक हैं :
(A) चाणक्य (B) फाह्यान
(C) मेगस्थनीज (D) सेल्यूकस

53. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कौन है ?
(A) चीन (B) भारत
(C) रूस (D) पाकिस्तान

54. आंग सान सू की किस देश के नागरिक हैं ?
(A) भूटान (B) बांग्लादेश
(C) म्याँमार (D) नेपाल

55. क्षेत्रवाद की भावना का कुपरिणाम है :
(A) अपने क्षेत्र से लगाव (B) राष्ट्रहित
(C) राष्ट्रीय एकता (D) अलगाववाद

56. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है ?
(A) असम (B) राजस्थान
(C) ओडिशा (D) उत्तर प्रदेश

57. भारत की प्रथम राष्ट्रीय जल नीति कब अपनाई गयी थी ?
(A) सितम्बर 1980 (B) सितम्बर 1987
(C) जून 2002 (D) सितम्बर 2002

58. विश्व में सर्वाधिक वनावरण वाला देश कौन है ?
(A) रूस (B) भारत
(C) ब्राजील (D) कनाडा

59. किस मृदा में ह्यूमस की मात्रा नगण्य होती है ?
(A) लैटेराइट मृदा (B) जलोढ़ मृदा
(C) काली मृदा (D) पर्वतीय मृदा

60. भारत का सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक क्षेत्र कौन है ?
(A) डिगबोई (B) मुम्बई हाई
(C) खम्भात (D) मंगला

61. इनमें से कौन रोपण फसल है ?
(A) चाय (B) रबड़
(C) गन्ना (D) इनमें से सभी

62. जीवन रेखा रेल कब चलाई गई थी ?
(A) 1981 (B) 1991
(C) 1995 (D) 2001

BIHAR SCHOOL EXAMINATION BOARD, PATNA

63. काँवर झील कहाँ है ?
(A) दरभंगा (B) भागलपुर
(C) बेगूसराय (D) मुजफ्फरपुर

64. किस राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पारित किया गया ?
(A) पश्चिम बंगाल (B) असम
(C) केरल (D) ओडिशा

65. इनमें से कौन अकार्बनिक खनिज है ?
(A) कोयला (B) पेट्रोलियम
(C) अभ्रक (D) प्राकृतिक गैस

66. भारत में किस राज्य में सर्वाधिक मैंग्रोव वन है ?
(A) गुजरात (B) पश्चिम बंगाल
(C) ओडिशा (D) केरल

67. कौन कोयला घटिया किस्म का है ?
(A) ऐंथ्रासाइट (B) बिटुमिनस
(C) लिग्नाइट (D) पीट

68. भारत में चाय की कृषि कहाँ शुरू हुई थी ?
(A) सिक्किम (B) तमिलनाडु
(C) असम (D) केरल

69. पाइराइट किस प्रकार का खनिज है ?
(A) धात्विक (B) अधात्विक
(C) परमाणु (D) इनमें से कोई नहीं

70. भारत का पहला परमाणु शक्ति संयंत्र कौन है ?
(A) तारापुर (B) कलपक्कम
(C) नरौरा (D) कैगा

71. कोडरमा का सम्बन्ध किस खनिज से है ?
(A) अभ्रक (B) ताँबा
(C) सोना (D) लौह अयस्क

72. किस देश ने ओपेक (OPEC) की सदस्यता त्याग दी है ?
(A) साऊदी अरब (B) ईरान
(C) इराक (D) कतर

73. इनमें कौन जूट का अग्रणी उत्पादक है ?
(A) भारत (B) चीन
(C) बंग्लादेश (D) श्री लंका

74. आस्वन बाँध किस नदी से सम्बन्धित है ?
(A) गंगा (B) ब्रह्मपुत्र
(C) नील (D) अमेजन

75. इनमें से कौन प्राकृतिक आपदा नहीं है ?
(A) सुनामी (B) बाढ़
(C) भकूंप (D) आतंकवाद

76. विनाशकारी भूकंप से बिहार किस वर्ष प्रभावित हुआ था ?
(A) 1920 (B) 1966 (C) 2004 (D) 1934

77. बाढ़ के समय कौन स्थान सुरक्षित है ?
(A) ऊँची भूमि (B) बाढ़ मैदान
(C) डेल्टा (D) इनमें से कोई नहीं

78. भूस्खलन से अभिप्राय है :
(A) मलबों का खिसकना (B) चट्टानों का गिरना
(C) चट्टानों का खिसकना (D) इनमें से सभी

79. आकस्मिक प्रबंधन का प्रमुख घटक है :
(A) स्थानीय प्रशासन (B) स्वयंसेवी संगठन
(C) स्थानीय लोग (D) इनमें से सभी

80. भूकम्प सम्भावित क्षेत्रों में भवनों की आकृति कैसी होनी चाहिए ?
(A) अण्डाकार (B) त्रिभुजाकार
(C) चौकोर (D) आयताकार

उत्तर (Answers)

1.	C	2.	A
3.	C	4.	B
5.	C	6.	A
7.	B	8.	B
9.	B	10.	C
11.	D	12.	C
13.	B	14.	B
15.	C	16.	A
17.	C	18.	A
19.	B	20.	B
21.	B	22.	A
23.	B	24.	C
25.	A	26.	A
27.	B	28.	B
29.	B	30.	C
31.	A	32.	C
33.	D	34.	B
35.	A	36.	B
37.	D	38.	B
39.	A	40.	C
41.	B	42.	D
43.	C	44.	A
45.	C	46.	A
47.	A	48.	B
49.	B	50.	C
51.	D	52.	C
53.	B	54.	C
55.	D	56.	D
57.	B	58.	A
59.	A	60.	A
61.	D	62.	B
63.	C	64.	D
65.	C	66.	B
67.	D	68.	C
69.	B	70.	A
71.	A	72.	D
73.	A	74.	C
75.	D	76.	D
77.	A	78.	D
79.	D	80.	D

खण्ड-ब : विषयनिष्ठ प्रश्न

इतिहास

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 1 से 6 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (3×2=6)

1. वियना कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य क्या था ? 2

उत्तर–वियना कांग्रेस यूरोपीय देशों के राजदूतों का एक सम्मेलन था, जो सितंबन 1814 से जून 1815 को वियना में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता ऑस्ट्रियाई राजनेता मेटरनिख ने की। कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य फ्रांसीसी क्रांतिकारी युद्ध, नेपोलियन युद्ध और पवित्र रोमन साम्राज्य के विघटन से उत्पन्न होने वाले कई मुद्दों एवं समस्याओं को हल करने का था।

2. शीत युद्ध का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2

उत्तर–शीत युद्ध हथियार-विहिन युद्ध है। जब दो देश आपस में वैचरिक मतभेद उत्पन्न कर लेते हैं तो इसे शीतयुद्ध कहा जाता है। आज भारत-चीन भारत-पाकिस्तान शीतयुद्ध के दौर से गुजर रहे हैं। इस युद्ध में आपसी खींचतान संचार माध्यमों द्वारा होती है।

शीतयुद्ध की व्याख्या प्राय: यह की जाती है कि यह दो विरोधी विचारधाराओं तथा सामाजिक व्यवस्थाओं के बीच संघर्ष है। इसमें दोनों पक्ष परस्पर शांतिकालीन राजनयिक संबंध बनाए रखते हुए भी शत्रुता की भावना रखते हैं और सशस्त्र युद्ध के अतिरिक्त अन्य सभी उपायों द्वारा एक-दूसरे को कमजोर बनाने का प्रयत्न करते हैं। अत: संक्षेप में हम कह सकते हैं कि शीतयुद्ध युद्ध न होते हुए भी युद्ध जैसी परिस्थितियों को बनाए रखने की एक ऐसी कला है जिसमें प्रत्येक विषय पर राष्ट्रीय स्वार्थों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाता है। यह शस्त्रों से लड़ा जानेवाला युद्ध न होकर एक प्रकार का वाक्‌युद्ध है।

विश्व राजनीति में 1945 ई० से अमेरिका और सोवियत संघ द्वारा शुरू हुआ शीत युद्ध 1991 ई० में सोवियत रूस के विघटन के साथ समाप्त हुआ।

3. साइमन कमीशन का विरोध क्यों हुआ था ? 2

उत्तर–साइमन कमीशन ब्रिटिश सांसदों का समूह था। जिसका गठन 8 नवम्बर 1927 में भारत में संविधान सुधारों के अध्ययन के लिए किया गया था और इसका मुख्य कार्य मानटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार की जाँच करना था।

कमीशन के सभी सदस्य अंग्रेज थे जो भारतीयों का बहुत बड़ा अपमान था। चौरी-चौरा की घटना के बाद असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने के बाद आजादी की लड़ाई में जो ठहराव आ गया था वह अब साइमन कमीशन की घोषणा से टूट गया। 1927 में मद्रास में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से साइमन कमीशन के बहिष्कार का फैसला लिया गया जिसमें नेहरु, गाँधी सभी ने इसका विरोध करने का निर्णय लिया।

4. उपनिवेशवाद से क्या अभिप्राय है ? 2

उत्तर–उपनिवेशवाद का अर्थ है किसी समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा अपने विभिन्न हितों को साधने के लिए किसी निर्बल किन्तु प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण राष्ट्र के विभिन्न संसाधनों का शक्ति के बल पर उपभोग करना। उपनिवेशवाद में उपनिवेश की जनता एक विदेशी राष्ट्र द्वारा शासित होती है, उसे शासन में कोई राजनीतिक अधिकार नहीं होता। आर्गन्सकी के अनुसार–''वे सभी क्षेत्र उपनिवेशों के तहत आते हैं जो विदेशी सत्ता द्वारा शासित हैं एवं जिनके निवासियों को पूरे राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं हैं।''

5. न्यू डील क्या है ? 2

उत्तर–जनकल्याण की एक बड़ी योजना से संबंधित नई नीति जिसमें आर्थिक क्षेत्र के अलावा राजनीतिक और प्रशासनिक नीतियों को भी नियमित किया गया। इसके प्रवर्तक अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट थे, जिसने विश्वव्यापी मंदी से लड़ने के लिए अमेरिका में इसे लागू किया था।

6. होआ-होआ आंदोलन की विवेचना करें। 2

उत्तर–होआ हाओ एक वियतनामी बौद्ध धार्मिक आंदोलन था। इसकी शुरूआत वर्ष 1939 में बौद्ध सुधारक हुइन्ह फु सो ने की थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी कब्जे के दौरान होआ हाओ का तेजी से विकास हुआ। युद्ध के बाद यह वियतनामी राजनीति में एक स्वतंत्र बल के रूप में जारी रहा, दोनों फ्रांसीसी उपनिवेशवादियों और हो-ची-मिन्ह के विएत मिन्ह राष्ट्रवादी आंदोलन का विरोध किया। 1954 के बाद होआ हाओ और काओ दाई ने राष्ट्रपति नागा दिन दीम की अमेरिकी समर्थित सरकार के लिए सशस्त्र विद्रोह शुरू किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 7 और 8 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1×4=4)

7. रूसी क्रांति पर मार्क्सवाद का क्या प्रभाव पड़ा ? 4

उत्तर–कार्ल मार्क्स का जन्म 5 मई 1818 ई० को जर्मनी में राइन प्रांत के ट्रियर नगर में एक यहूदी परिवार में हुआ था। उनके पिता हेनरिक मार्क्स एक प्रसिद्ध वकील थे जिन्होंने बाद में चलकर ईसाई धर्म ग्रहण कर लिया था। मार्क्स ने बोन विश्वविद्यालय में विधि की शिक्षा ग्रहण की परन्तु 1836 ई० में वे बर्लिन विश्वविद्यालय चले आए, जहाँ उनके जीवन को नया मोड़ मिला। मार्क्स हीगल के विचारों से प्रभावित था। 1843 ई० में उसने बचपन की मित्र हेनी से विवाह किया। कार्ल मार्क्स की मुलाकात पेरिस में 1844 ई० में फ्रेडरिक एंजेल्स से हुई जिनसे जीवन भर उनकी गहरी मित्रता बनी रही। मार्क्स ने एंजेल्स के साथ मिलकर 1848 ई० में एक साम्यवादी घोषणा-पत्र प्रकाशित किया जिसे आधुनिक समाजवाद का जनक कहा जाता है। उपर्युक्त घोषणा पत्र में मार्क्स ने अपने आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है। मार्क्स ने 1867 ई० में 'दास कैपिटल' नामक पुस्तक की रचना की, जिसे ''समाजवादियों की बाइबिल'' कहा जाता है।

मार्क्स का विचार था कि औद्योगिक समाज पूँजीवादी समाज है फैक्ट्र में लगी पूँजी पर पूँजीपतियों का स्वामित्व है और पूँजीपतियों का मुनाफा मजदूरों की मेहनत से पैदा होता है। मार्क्स का निष्कर्ष था जब तक निजी पूँजीपति इस तरह मुनाफे का संचय करते जाएँगे तब तक मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता है अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए मजदूरों को पूंजीवाद पर निजी संपत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा। इस तरह रूसी क्रांति पर मार्क्सवाद की विचारधारा का व्यापक प्रभाव पड़ा।

8. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी की भूमिका का उल्लेख करें। 4

उत्तर–भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। जनवरी 1915 ई० में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद गाँधीजी ने रचनात्मक कार्यों के लिए अहमदाबाद में साबरमती आश्रम की स्थापना की।

1919 ई० से 1947 ई० तक राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधीजी की अग्रणी भूमिका रही। गाँधीजी के द्वारा चंपारण में सत्याग्रह का प्रथम प्रयोग किया गया जो अन्ततः सफल रहा। चंपारण एवं खेड़ा में कृषक आंदोलन और अहमदाबाद में श्रमिक आंदोलन का नेतृत्व प्रदान कर गाँधीजी ने प्रभावशाली राजनेता के रूप में अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाई। प्रथम विश्व युद्ध के अंतिम दौर में इन्होंने कांग्रेस, होमरूल एवं मुस्लिम लीग के नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए। ब्रिटिश सरकार की उत्पीड़नकारी नीतियाँ एवं रॉलेट एक्ट के विरोध में इन्होंने सत्याग्रह की शुरूआत की।

महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन (1920-21 ई०), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930 ई०), भारत छोड़ो आंदोलन (1942 ई०) के द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन को एक नई दिशा प्रदान की और अन्ततः 15 अगस्त 1947 ई० को देश आजाद हुआ।

राजनीति विज्ञान

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 9 से 12 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2×2=4)

9. लोकतंत्र में सूचना के अधिकार की क्या भूमिका है ? 2

उत्तर–भारतीय लोकतंत्र में सूचना का अधिकार की भूमिका बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। सूचना का अधिकार अधिनियम, जिसे 'आर टी आई एक्ट' के नाम से जाना जाता है। यह अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को सशक्त करने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका रखता है। समय के साथ संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का विस्तार होता गया।

एक समय वह भी आया जब सूचना के अधिकार को एक मौलिक अधिकार माना गया। जानने का अधिकार किसी भी व्यक्ति का मानव अधिकार है तथा भारत के संविधान में उल्लेखित किए गए मौलिक अधिकारों में एक मौलिक अधिकार भी है जिसे अनुच्छेद 19 का हिस्सा बनाया गया है।

10. राजनीतिक दलों के दो प्रमुख कार्य बताइए। 2

उत्तर–राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं :

(i) नीतियाँ एवं कार्यक्रम तय करना–राजनीतिक दल जनता का समर्थन प्राप्त करने के लिए नीतियाँ एवं कार्यक्रम तैयार करते हैं। इन्हीं नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर ये चुनाव भी लड़ते हैं। राजनीतिक दल भाषण, टेलीविजन, रेडियो, समाचार-पत्र आदि के माध्यम से अपनी नीतियाँ एवं कार्यक्रम जनता के सामने रखते हैं और मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करते हैं।

(ii) शासन का संचालन–राजनीतिक दल चुनावों में बहुमत प्राप्त करके सरकार का निर्माण करते हैं।

(iii) चुनावों का संचालन–जिस प्रकार लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था में राजनीतिक दलों का होना आवश्यक है उसी प्रकार दलीय व्यवस्था में चुनाव का होना भी आवश्यक है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों को खड़ा करने और हर तरीके से उन्हें चुनाव जीताने का प्रयत्न करते हैं। इसलिए राजनीतिक दल का एक प्रमुख कार्य चुनावों का संचालन है।

(iv) लोकमत का निर्माण–राजनीतिक दल लोकमत निर्माण करने के लिए जनसभाएँ, रैलियों, समाचार-पत्र, टेलीविजन आदि का सहारा लेते हैं।

11. संघीय शासन की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर–संघात्मक सरकार की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(i) लिखित संविधान–लिखित संविधान संघात्मक सरकार का एक अनिवार्य तत्त्व है। लिखित संविधान होने से केंद्र और राज्य सरकारों का कार्यक्षेत्र स्पष्ट किया जा सकता है।

(ii) कठोर संविधान–कठोर संविधान होने से कोई सरकार अपने हित में सरलता से संशोधन नहीं कर सकती है। संविधान में संशोधन के लिए एक विशेष प्रक्रिया अपनाई जाती है जो संघीय सरकार के हित में है।

(iii) संविधान की सर्वोच्चता–संविधान की सर्वोच्चता से संघीय पद्धति की रक्षा होती है। कोई भी सरकार अपने को सर्वोच्च नहीं समझ सकती, क्योंकि संविधान का उसपर अंकुश बना रहता है।

(iv) शक्तियों का विभाजन–संघीय सरकार में संविधान द्वारा ही केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है। इससे दोनों सरकारें अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करती रहती हैं।

(v) स्वतंत्र न्यायपालिका–संघीय सरकार में न्यायपालिका ही संविधान का संरक्षक होती है। केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को संविधान के विरुद्ध कार्य करने का अधिकार नहीं होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सांविधानिक विवादों का निपटारा वही करती है।

12. नगर निगम की आय के प्रमुख स्रोत क्या हैं ? 2

उत्तर–नगर निगम को भी अपना कार्य चलाने के लिए धन की आवश्यकता पड़ती है। यह धन उसे निम्नलिखित साधनों से प्राप्त होता है :

1. चुंगी कर, 2. मकानों पर कर, 3. लाइसेंस फीस, 4. टोल टैक्स, 5. पानी तथा बिजली-कर, 6. व्यापार तथा व्यवसायों पर कर, 7. मनोरंजन कर, 8. पशुओं पर टैक्स, 9. सम्पत्ति से आय, 10. ठेका, 11. जुर्माने, 12. राज्य सरकार से सहायता तथा 13. ऋण

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 13 एवं 14 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

(1×4=4)

13. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में राजनीतिक दलों की भूमिका की विवेचना कीजिए। (4)

उत्तर–राजनीतिक दल लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था में काफी महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। जनता की विभिन्न समस्याओं के समाधान में राजनीतिक दल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है। किसी भी शासन-व्यवस्था में किसी भी समस्या पर हजारों लोग अपना विचार रखते हैं। किंतु इन विचारों और दृष्टिकोणों का कोई मतलब नहीं रह जाता है जब तक इन विचारों को किसी दल के विचारों से न जोड़ा जाए। राजनीतिक दल देश के लोगों की भावनाओं एवं विचारों को जोड़ने का कार्य करते हैं। इस दृष्टि से हमारे लिए राजनीतिक दलों की महती आवश्यकता है। इसके अलावा लोकतंत्र में राजनीतिक दल की आवश्यकता इसलिए भी है कि यदि दल नहीं होगा तो सभी उम्मीदवार निर्दलीय होंगे। उम्मीदवार अपनी नीतियाँ राष्ट्रहित में न बनाकर उस क्षेत्र विशेष के लिए बनाऐंगे जिस क्षेत्र से वे चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में देश की एकता और अखण्डता खतरे में पड़ जाएगी। इन समस्याओं से बचने के लिए राजनीतिक दल का होना अनिवार्य है। अतः राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है।

14. जयप्रकाश नारायण की 'संपूर्ण क्रांति' ने भारतीय राजनीति को किस प्रकार बदल दिया ? (4)

उत्तर–बिहार के आंदोलन शुरू होने से पूर्व उस राज्य में इंदिरा कांग्रेस की सरकार थी । जहाँ आंदोलन छात्र आंदोलन के रूप में शुरू हुआ । यह आंदोलन न केवल बिहार तक बल्कि अनेक वर्षों तक राष्ट्रव्यापी प्रभावशाली और राष्ट्रीय राजनीति पर दूरगामी प्रभाव डालने वाला साबित हुआ ।

बिहार आंदोलन के कारण (Causes of factors of Bihar Movements)–1974 के मार्च माह में बढ़ती हुई कीमतों, खाद्यान्न के अभाव, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया । आंदोलन के क्रम में उन्होंने जयप्रकाश नारायण (जेपी) को बुलावा भेजा। जेपी तब सक्रिय राजनीति छोड़ चुके थे और सामाजिक कार्यों में लगे हुए थे। छात्रों ने अपने आंदोलन की अगुआई के लिए जयप्रकाश नारायण को बुलावा भेजा था। जेपी ने छात्रों का निमंत्रण इस शर्त पर स्वीकार किया कि आंदोलन अहिंसक रहेगा और अपने को सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रखेगा। इस प्रकार छात्र-आंदोलन ने एक राजनीतिक चरित्र ग्रहण किया और उसके भीतर राष्ट्रव्यापी अपील आई । जीवन के हर क्षेत्र के लोग अब आंदोलन से आ जुड़े।

आंदोलन की प्रगति एवं सार (Progress and spread of the Movement)–

(क) जयप्रकाश नारायण ने बिहार की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त करने की माँग की । उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दायरे में 'सम्पूर्ण क्रांति' का आह्वाव किया ताकि उन्हीं के शब्दों में 'सच्चे लोकतंत्र' की स्थापना की जा सके । बिहार की सरकार के खिलाफ लगातार घेराव, बंद और हड़ताल का एक सिलसिला चला पड़ा । बहरहाल, सरकार ने इस्तीफा देने से इन्कार कर दिया ।

(ख) 1974 के बिहार आंदोलन का एक प्रसिद्ध नारा था "संपूर्ण क्रांति अब नारा है–भावी इतिहास हमारा है ।"

प्रभाव (Effects)–आंदोलन का प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ना शुरू हुआ । जयप्रकाश नारायण चाहते थे कि यह आंदोलन देश के दूसरे हिस्सों में भी फैले । जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के साथ ही साथ रेलवे के कर्मचारियों ने भी एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया । इससे देश के रोजमर्रा के कामकाज के ठप हो जाने का खतरा पैदा हो गया। 1975 में जेपी ने जनता के 'संसद-मार्च' का नेतृत्व किया । देश की राजधानी में अब तक इतनी बड़ी रैली नहीं हुई थी । जयप्रकाश नारायण को अब भारतीय जनसंघ, कांग्रेस (ओ), भारतीय लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी जैसे गैर-कांग्रेसी दलों का समर्थन मिला । इन दलों ने जेपी को इंदिरा गाँधी के विकल्प के रूप में पेश किया ।

टिप्पणी (Comments)–जो भी हो जयप्रकाश नारायण बिहार के विचारों और उनके द्वारा अपनायी गई जन-प्रतिरोध की रणनीति की आलोचनाएँ भी मुखर हुईं । गुजरात और बिहार, दोनों ही राज्यों के आंदोलन को कांग्रेस विरोधी आंदोलन माना गया । कहा गया कि ये आंदोलन राज्य सरकार के खिलाफ नहीं बल्कि इंदिरा गाँधी के नेतृत्व के खिलाफ चलाए गए हैं । इंदिरा गाँधी का मानना था कि ये आंदोलन उनके प्रति व्यक्तिगत विरोध से प्रेरित है ।

अर्थशास्त्र

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 15 से 18 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2×2=4)

15. समावेशी विकास क्या है ? (2)

उत्तर–समान अवसरों के साथ विकास करना ही समावेशी विकास है। दूसरे शब्दों में ऐसा विकास जो न केवल नए आर्थिक अवसरों को पैदा करे, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए सृजित ऐसे अवसरों की समान पहुँच को भी सुनिश्चित करे हम उस विकास को समावेशी विकास कह सकते हैं । जब यह समाज के सभी सदस्यों की भागेदारी और योगदान को सुनिश्चित करता है । विकास की इस प्रक्रिया का आधार समानता है । जिसमें लोगों की परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रखा जाता है ।

16. सार्वजनिक वितरण प्रणाली से क्या अभिप्राय है ? (2)

उत्तर–एक सार्वजनिक वितरण की दुकान, जिसे उचित मूल्य की दुकान के रूप में भी जाना जाता है, भारत सरकार द्वारा स्थापित भारत की सार्वजनिक प्रणाली का हिस्सा है जो गरीबों को रियायती मूल्य पर राशन वितरित करती है। स्थानीय रूप से इन्हें राशन के रूप में जाना जाता है दुकानें और सार्वजनिक वितरण की दुकानें मुख्य रूप से गेंहूँ, चावल और चीनी को बाजार मूल्य से कम कीमत पर बेचते हैं जिसे इश्यू प्राइस कहा जाता है ।

17. भारतीय पूँजी बाजार में किन वित्तीय संस्थाओं को शामिल किया जाता है ? (2)

उत्तर–राज्य की वित्तीय संस्थाओं को दो प्रकार–गैर संस्थागत और संस्थागत में बाँटा जाता है । गैर संस्थागत के अन्तर्गत महाजन, सेठ, साहूकार, व्यापारी तथा रिश्तेदार एवं अन्य को शामिल किया जाता है। संस्थागत के अन्तर्गत सहकारी बैंक, प्राथमिक सहकारी समितियाँ, भूमि विकास बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक, व्यावसायिक बैंक, नाबार्ड एवं अन्य को शामिल किया जाता है।

18. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं ? (2)

उत्तर–वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं का समन्वय या एकीकरण किया जाता है ताकि वस्तुओं एवं सेवाओं, प्रौद्योगिकी, पूँजी और श्रम या मानवीय पूँजी का भी निर्बाध प्रवाह हो सके । वैश्वीकरण के अन्तर्गत पूंजी, वस्तु तथा प्रौद्योगिकी का निर्बाद्ध रूप से एक देश से दूसरे देश में प्रवाह होता है ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 19 और 20 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1×4=4)

19. सेवा क्षेत्र के विकास में आधारभतू संरचना का महत्त्व बताइए। (4)

उत्तर–सेवा-क्षेत्र से तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जहाँ शारीरिक शक्ति, कार्य क्षमता और दक्षता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए। भारत में कृषि लोगों के रोजगार उपलब्ध कराने का सर्वाधिक बड़ा क्षेत्र है इसके साथ ही साथ उद्योग, व्यवसाय, स्वास्थ्य, यातायात आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिंससे लोगों को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ मिलती हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार के द्वारा रोजगार सृजन करने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जैसे काम के बदले अनाज 1980 ई०,

ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण का कार्यक्रम 1979 ई०, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम 1983 ई०, समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम 20 अक्टूबर 1980 ई०, जवाहर रोजगार योजना 1989 ई०, स्वयं सहायता समूह, नरेगा इत्यादि।

उपर्युक्त सेवाओं के माध्यम से देश में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने की कोशिश की जा रही है। सरकार का अनुमान है कि देश के बेरोजगार लोगों में से करीब 62 प्रतिशत लोगों को उपर्युक्त योजनाओं के द्वारा रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के बेरोजगारी को दूर करने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा-क्षेत्र के विस्तार के द्वारा अनुमान है कि 35 प्रतिशत शहरी बेरोजगारी दूर किया जा सकेगा। ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नरेगा विश्व की सबसे बड़ी योजना मानी जाती है।

20. व्यवसायिक बैंकों के प्रमुख कार्यों की विवेचना कीजिए। (4)

उत्तर–व्यावसायिक बैंक के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

(i) जमा राशि को स्वीकार करना–व्यावसायिक बैंक का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्य अपने ग्राहकों से जमा के रूप में मुद्रा प्राप्त करना है। बैंक जमा राशि के आधार पर कर्ज देकर लाभ कमाते हैं।

(ii) ऋण प्रदान करना–व्यावसायिक बैंक का दूसरा मुख्य कार्य लोगों को ऋण प्रदान करना है। बैंक के पास जो रुपया जमा के रूप में आता है उसमें से एक निश्चित राशि नकद कोष में रखकर बाकी रुपया बैंक द्वारा दूसरे व्यक्तियों को उधार दे दिया जाता है। ये बैंक प्रायः उत्पादक कार्यों के लिए ऋण देते हैं तथा उचित जमानत की माँग करते हैं।

व्यावसायिक बैंक निम्न प्रकार से ऋण प्रदान करते हैं–अभियाचित एवं अल्पकालीन ऋण, नकद साख, अधिविकर्ष, विनिमय बिलों का भुगतान, ऋण एवं अग्रिम।

(iii) सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य–इसके अतिरिक्त व्यावसायिक बैंक अन्य बहुत से कार्यों को भी सम्पन्न करते हैं जिन्हें सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य कहा जाता है। जैसे–यात्री चेक एवं साख प्रमाण पत्र जारी करना, लॉकर की सुविधा, ATM एवं क्रेडिट कार्ड, सुविधा, व्यापारिक सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्रीकरण आदि।

(iv) एजेंसी संबंधी कार्य–वर्तमान समय में व्यावसायिक बैंक ग्राहकों की एजेंसी के रूप में सेवा करते हैं। इसके अन्तर्गत चेक, बिल व ड्राफ्ट का संकलन, ब्याज तथा लाभांश का संकलन तथा वितरण, ब्याज, ऋण की किस्त, बीमें की किस्त का भुगतान, प्रतिभूति का क्रय-विक्रय तथा ड्राफ्ट तथा डाक द्वारा कोष का हस्तांतरण आदि क्रियाएँ करते हैं।

भूगोल

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 21 से 26 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (3×2=6)

21. पट्टिका कृषि से आप क्या समझते हैं ? (2)

उत्तर–पर्वतीय क्षेत्रों में जब सीढ़ीनुमा खेत बनाकर खेती की जाती है। इस तरह की कृषि को पट्टी कृषि अथवा पट्टिका कृषि कही जाती है। पट्टिका कृषि के अन्तर्गत बड़े बड़े खेतों को पट्टियों में बाँटा जाता है। फसलों के बीच में घास की पट्टियाँ उगाई जाती है। ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती है।

22. पारम्परिक एवं गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों में प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए। (2)

उत्तर–पारम्परिक ऊर्जा स्रोत–कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस।
गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत–सौर-ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा।

23. हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं ? (2)

उत्तर–भारत में अधिक अन्न उत्पादन के लिए उन्नत बीज, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशकों, सिंचाई के साधनों को अपनाने पर जोर दिया गया। इस कारण फसलों की उत्पादकता काफी बढ़ी। गेहूँ जैसे खाद्यान्न उत्पादन में तो गुणात्मक रूप से वृद्धि हुई। कृषि के क्षेत्र की यह क्रांति हरित क्रांति के नाम से जानी जाती है।

24. सार्वजनिक और निजी उद्योग में क्या अन्तर है ? (2)

उत्तर–सार्वजनिक उद्योग–ऐसे उद्योग जिसके संचालन की जिम्मेदारी सरकार के हाथ में होती है। जिसमें प्रायः भारी उद्योग एवं आधारभूत उद्योग को सम्मिलित किया जाता है। दुर्गापुर, भिलाई, राउरकेला जैसे इस्पात उद्योग सार्वजनिक उद्योग के उदाहरण हैं।

निजी उद्योग–ऐसे उद्योगों का स्वामित्व किसी व्यक्ति या किसी सहकारी समिति के हाथ में होता है। जैसे–TISCo।

25. जैव विविधाता क्या है ? (2)

उत्तर–किसी इकाई क्षेत्र/पारितंत्र में उपस्थित एक सामुदायिक जातियों की संख्या एवं जातियों के अंतर्गत आनुवंशिक परिवर्तनशीलता की मात्रा उस क्षेत्र के समुदाय की जैव विविधता (Biodiversity) कहलाती है। उदाहरण के तौर पर किसी जैविक उद्यान को लें। इन जैविक उद्यानों में जहाँ एक ओर छोटे-छोटे औषधीय व पुष्पी पादप होते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े वृक्षों के वन भी होते हैं। इनमें सिंह, बाघ, गैंडा, मगर जैसे विशाल वन्यजीव भी होते हैं तो दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की पक्षियाँ, सर्प जैसे नाना जीव भी होते हैं। अतएव ये जैविक उद्यान जैव विविधता के प्रतिनिधि होते हैं। हमारी पृथ्वी तो जैव विविधता का भण्डार है।

जैव विविधता मानव के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। यह नई फसलों, औषधियों का एक शक्तिशाली स्रोत है। बढ़ती मानवीय आबादी के पेट भरने व स्वस्थ रखने में इन फसलों व औषधियों का उपयोग स्वतः सिद्ध है। इसी प्रकार पेट्रोलियमों के स्थानापन्न, जैव नाशकों एवं अन्य उत्पादों के रूप में जैव विविधता संपत्ति का एक शक्तिपुंज है। इससे मानवीय विकास को गति प्रदान की जा सकती है। इसका ह्रास जीवों के विकास की क्षमता को अवरुद्ध कर देगा।

इस प्रकार मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित व विकासशील रखने में जैव विविधता को अक्षुण्ण बनाए रखना मानव के लिए महत्त्वपूर्ण है।

26. रेड डेटा बुक क्या है ? (2)

उत्तर–IUCN एक सूची जारी करता है जिसे रेड डेटा बुक कहा जाता है। इसमें सभी प्रकार के जीवों तथा प्रजातियों का रिकार्ड रखा जाता है। इसमें तीन प्रकार के पेज का प्रयोग किया जाता है।

(1) हरा पेज–इन प्रजातियों के ऊपर कोई खतरा नहीं रहता है।

(2) गुलाबी पेज–इन प्रजातियों के ऊपर खतरा रहता है।

(3) लाल पेज–इस प्रकार के प्रजाति समाप्त होने वाले होते हैं या समाप्त हो चुके होते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 27 एवं 28 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1×4=4)

27. जल संरक्षण से आप क्या समझते हैं ? (4)

उत्तर–भूमि, जल एवं वायु मानव को प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इन संसाधनों से मानवीय जीवन की दशा एवं दिशा निर्धारित होती है। अतएव इन संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।

इन संसाधनों में जल ऐसा संसाधन है, जिसकी सीमित आपूर्ति, तेजी से फैलते प्रदूषण एवं समय की मांग को देखते हुए इसके उचित प्रबंधन व संरक्षण की आवश्यकता है। जल की यही संरक्षा व कुशल प्रबंधन–जल संरक्षण कहा जाता है।

जल संरक्षण हेतु सरकारें सतत् प्रयत्नशील रही हैं। भारत सरकार ने 1987 ई० में राष्ट्रीय जलनीति बनायी थी, जिसे अद्यतन कर 'राष्ट्रीय जल नीति', 2002 को अमलीजामा पहनाया गया।

कुल मिलाकर जल संरक्षण के अधोलिखित उपाय हो सकते हैं :

(i) भूमिगत जल की पुनर्पूर्ति–पूर्व राष्ट्रपति डॉ० कलाम ने खेतों, गाँवों, शहरों, उद्योगों को पर्याप्त जल देने के उद्देश्य से भूमिगत जल की पुनर्पूर्ति पर बल दिया था। इसके लिए वृक्षारोपण, जैविक व कम्पोस्ट का प्रयोग, वेटलैंड्स का संरक्षण, वर्षा जल के संचयन एवं मल-जल शोधन, पुनः चक्रण जैसे कार्यकलाप उपयोगी हो सकते हैं।

(ii) जल संभरण प्रबंधन–जल प्रवाह या जल जमाव का उपयोग कर उद्यान, कृषि वानिकी, जल-कृषि, कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे पेय जल की आपूर्ति भी की जा सकती है।

(iii) तकनीकि विकास–तकनीकि के माध्यम से जल को कम-से-कम उपयोग द्वारा अधिकाधिक लाभ लेकर भी जल संरक्षण किया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई, लिफ्ट सिंचाई, सूक्ष्म फुहारों द्वारा सिंचाई, सीढ़ीनुमा कृषि आदि इसके अंतर्गत आते हैं।

इसके अतिरिक्त वर्षा जल का संग्रहण व पुनः चक्रण, शहरीकरण, भवन-निर्माण आदि में जल प्रबंधन का ध्यान रखकर भी जल का संरक्षण किया जा सकता है।

28. धात्विक एवं अधात्विक खनिजों में प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए। (4)

उत्तर–सामान्यतः खनिजों को दो भागों में विभक्त कर अध्ययन किया जा सकता है।

(a) धात्विक खनिज–ऐसे खनिजों में धातु मौजूद रहते हैं। ये धातु किसी-न-किसी पदार्थों के साथ मिले होते हैं। जैसे–लौह-अयस्क, ताँबा, निकेल इत्यादि। लौह धातु की उपस्थिति के आधार पर धात्विक खनिज को भी दो उप-विभागों में विभाजित किया जा सकता है :

(i) लौहयुक्त धात्विक खनिज–ऐसे खनिज में लोहांश अधिक होते हैं। जैसे–लौह अयस्क, मैंगनीज, निकेल, टंगस्टन आदि।

(ii) अलौहयुक्त धात्विक खनिज–ऐसे खनिजों में लोहांश अतिन्यून होते हैं, जैसे–सोना, चाँदी, बॉक्साइट, टिन, ताँबा आदि।

(b) अधात्विक खनिज–ऐसे खनिजों में धातु नहीं होते हैं। जैसे–चूना-पत्थर, डोलोमाइट, अभ्रक, जिप्सम इत्यादि। जीवाश्म की उपस्थिति के आधार पर अधात्विक खनिज के भी दो उपविभाग किये जा सकते हैं :

(i) कार्बनिक खनिज–ऐसे खनिजों का निर्माण भूगर्भ में प्राणी एवं पादप के दबने से होते हैं। जिसमें जीवाश्म होते हैं तथा कालान्तर में परिवर्तित होकर खनिजों का रूप धारण कर लेते हैं। जैसे–कोयला, पेट्रोलियम, चूनापत्थर आदि।

(ii) अकार्बनिक खनिज–ऐसे खनिजों में जीवाश्म की मात्रा नहीं होती है। जैसे–अभ्रक, ग्रेफाइट इत्यादि।

आपदा प्रबंधन (DISSASTER MANAGEMENT)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 29 से 32 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2×2=4)

29. आपदा के किन्हीं दो प्रकारों का उल्लेख करें। 2

उत्तर–आपदा दो प्रकार की होती हैं :

(क) प्राकृतिक आपदा, जैसे–भूकंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, चक्रवात, सुनामी आदि।

(ख) मानव निर्मित आपदा, जैसे–सड़क दुर्घटना, रेल दुर्घटना, आग लगना, आतंकवाद, युद्ध।

30. बाढ़ से होने वाली किन्हीं दो क्षतियों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर–बाढ़ आने के पश्चात् निम्नलिखित हानियाँ होती हैं :

(क) बाढ़ के कारण उपजाऊ मृदा पर लम्बे समय तक जलजमाव हो जाता हैं।

(ख) बाढ़ के दौरान वनस्पति, जीव-जंतुओं की मृत्यु हो जाती है।

(ग) बाढ़ के कारण महामारी, जैसे–मलेरिया, हैजा, चेचक जैसे रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

(घ) बाढ़ के कारण सड़क एवं रेल मार्ग टूट जाते हैं।

31. सुनामी से बचाव के दो उपायों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर–सुनामी से बचाव के दो उपाय निम्नलिखित हैं :

(1) तटीय क्षेत्रों के समीप रहने वाले लोगों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

(2) समुद्र के नजदीक कंक्रीट तटबंधों का निर्माण किया जाए।

32. हेम रेडियो क्या है ? 2

उत्तर–हेम रेडियो का प्रयोग गैर वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किया जाता है, जिसके संचालन में ऊर्जा की आवश्यकता जेनरेटरों या बैटरियों के द्वारा पूर्ति किया जाता है। हेम रेडियो अंतर्राष्ट्रीय दूर-संचार नियमों के अनुसार कार्य करता है। इसका प्रयोग बड़ी-बड़ी प्राकृतिक आपदा वाले क्षेत्रों में किया जाता है। इस संचार-प्रणाली में कोई भी बाहरी तार की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

●❖●